ने अपर गंगा सिंचाई आधुनिकीकरण परियोजना के लिए 125 मिलियन डालर की सहायता प्रदान की है तथा दिसम्बर, 1986 तक का संवितरण 3.758 मिलियन अमरीकी डालर है।

(ख) परियोजना को सितम्बर, 1984 से दिसम्बर, 1990 तक छः वर्ष की अवधि में क्रियान्वित करने का कार्यक्रम है। अनुमानित अवधि समाप्त होने की तारीख को आगे बढ़ाने का कोई प्रस्ताव राज्य सरकार से अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है।

(ग) बुलन्दशहर, अलीगढ़ तथा एटा तीन जिलों को 43,000 हैक्टेयर सिंचाई लाभ प्राप्त होगा।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

बाण सागर परियोजना

798. **डा० रत्नाकर पाण्डेय** : क्या **जल संसाधन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर प्रदेश में बाण सागर परियोजना के निर्माण-कार्य में हुई गति का ब्यौरा क्या है ;

(ख) इस पर अब तक कितनी धन-राशि व्यय हो चुकी है ; और

(ग) इसका सारा निर्माण-कार्य कब तक पूरा हो जाएगा ?

जल संसाधन मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) से (ग) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी।

राजघाट, बांध

799. **डा० रत्नाकर पाण्डेय** : क्या **जल संसाधन** मंत्री 6 मार्च, 1987 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 1215 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की सिंचाई के हित में राजघाट बांध परियोजना के कार्यान्वयन में हुए असाधारण विलम्ब पर विचार करने के लिए गत वर्ष बेतवा नदी बोर्ड की कोई भी बैठक न बुलाये जाने के क्या कारण हैं ;

(ख) वर्तमान गति से काम होने पर परियोजना का निर्माण-कार्य कब तक पूरा हो जाने की संभावना है ; और

(ग) इसके परिणामस्वरूप इस परियोजना की अनुमानित लागत 123 करोड़ रुपए से बढ़ कर कितनी हो जाएगी ?

जल संसाधन मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) से (ग) 1986-87 में बेतवा नदी बोर्ड की बैठक 9-2-1987 को बुलाई गई थी परन्तु यह हो नहीं सकी। बांध का निर्माण कार्य 1991-92 तक पूरा हो जाने की संभावना है। अद्यतन अनुमानित लागत (1985) 194 करोड़ रुपये है।

भूमि और जल संसाधनों के विकास के लिये अन्तर्राष्ट्रीय विकास अभिकरण की सहायता

800. **डा० रत्नाकर पाण्डेय** : क्या **जल संसाधन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पर्वतीय क्षेत्रों में भूमि और जल संसाधनों के विकास संबंधी परियोजना के लिए सरकार को अन्तर्राष्ट्रीय विकास अभिकरण से कितनी सहायता प्राप्त होने की संभावना है ; और

(ख) इससे उत्तर प्रदेश के किन-किन भागों को कितना लाभ मिलने की संभावना है ?

जल संसाधन मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) अन्तर्राष्ट्रीय विकास अभिकरण सहायता के अन्तर्गत, सितम्बर, 1983 से हिमालय जल विभाजक प्रबंध परियोजना चल रही है। इस परियोजना के लिए 7 वर्ष की अवधि के दौरान 65.50 करोड़ रुपए की कुल परियोजना लागत में से